Hindustan - New Delhi - 09 - 02 - 2011

आईपीयू में तीन नए केंद्र खुलेंगे

अर्बन प्लानिंग एंड डिजाइनिंग, फॉर्मेसी और ह्यूमन वैल्यू जैसे नए विषयों पर शोध और अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए पहल

अनुराग मिश्र

नई दिल्ली

गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) में तीन नए सेंटरों को खोलने की मंजूरी मिल गई है। यह केंद्र संभवतः अगले सत्र से काम करने लगेंगे। फिलहाल विश्वविद्यालय के इन सेंटरों में परास्नातक और शोध स्तर की पढ़ाई होगी। ये सेंटर हैं- अर्बन प्लानिंग एंड डिजाइनिंग, फॉर्मेसी और ह्यूमन वैल्यू।

आईपी विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. डी.के.बंदोपध्याय ने बताया कि हमने तीन केंद्र खोलने का फैसला किया है। फॉर्मेसी का सेंटर खोलने के बारे में वीसी ने कहा कि अर्बन एंड डिजाइनिंग का नया सेंटर सेंटर अगले सत्र से काम करने लगेगा। प्रो. बंदोपध्याय ने बताया कि इस सेंटर को खोलने का मकसद अर्बन एंड डिजाइनिंग के क्षेत्र में स्तरीय काम करना। इस सेंटर में परास्नातक स्तर के कोर्स होंगे। इसके अलावा अर्बन डिजाइनिंग से जुड़े शोध कार्य इस सेंटर में किए जाएंगे।

बंदोपध्याय ने बताया कि किसी भी शहर की बड़ी समस्या होती है उसका ट्रांसपोर्ट, हाऊसिंग प्लानिंग, शहर का डिजाइन, वहां का आर्किटेक्चर और उसके मुताबिक वहां का इंफ्रास्ट्रक्चर। इस कोर्स को अगले साल से शुरू कर दिया जाएगा।

कोर्स खोलने का मकसद

- अर्बन एंड डिजाइनिंग सेंटर खोलने का उद्देश्य है कि वर्तमान में जिस तरह से नगरों का तेजी से विकास हो रहा है, इंफ्रास्ट्रक्चर और बुनियादी जरूरतें बदल रही हैं ऐसे में इस तरह के कोर्स से जुड़े छात्रों की मांग तेजी से बढ़ेगी।
- ह्यूमन वैल्यू कोर्स मौजूदा भागदौड़ भरी जिंदगी में नित हो रहे बदलावों से आम आदमी को कराएगा रूबरू
- मौजूदा दौर में मेडिकल के क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में फॉर्मेसी में शोध की मांग काफी बढ़ी है।

आईपी में अभी कुल 11 केंद्र हैं

- बीटेक, एमटेक, एमसीए, एमएससी, बीएड, एलएलबी आदि प्रोग्राम संचालित होते हैं आईपी में
- शोध को बढ़ावा देने के मकसद से हर साल पीएचडी में सौ लोगों का नामांकन करेगा आईपी
- नए सेंटरों में परास्नातक और शोध स्तर का होगा काम

और कहां है केंद्र

- दिल्ली में स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, अर्बन डिजाइनिंग और प्लानिंग का प्रमुख कॉलेज
- फॉर्मेसी के प्रमुख कॉलेज के तौर पर अभी दिल्ली में दिल्ली इंस्टिट्यूट ऑफ फॉर्मास्यूटिकल साइंस एंड रिसर्च का नाम जाना जाता है। इस कॉलेज ने सरकार को विवि बनाने के लिए प्रस्ताव भेजा है।